

काशी वदियापीठ के इतहिस में पहली बार राष्ट्रपति होंगी मुख्य अतथि

चर्चा में क्यों?

29 नवंबर, 2023 को केंद्रीय पुस्तकालय के सभागार में हुई बैठक में बताया गया कि महात्मा गांधी काशी वदियापीठ के इतहिस में पहली बार राष्ट्रपति दीक्षांत समारोह की मुख्य अतथि होंगी।

प्रमुख बदि

- वशिवदियालय का 45वाँ दीक्षांत समारोह 11 दसिंबर, 2023 को आयोजति कथि जाएगा। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी
- महात्मा गांधी काशी वदियापीठ उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थति एक वशिवदियालय है। पहले इसे केवल काशी वदियापीठ के नाम से ही जाना जाता था, कति बाद (11 जुलाई, 1995) में इसे भारत के राष्ट्रपति महात्मा गांधी को पुनः समर्पति कथि गया और उनका नाम इसके साथ जोड़ दथि गया।
- काशी वदियापीठ की स्थापना असहयोग आंदोलन के समय 10 फरवरी, 1921 (बसंत पंचमी के पावन अवसर पर) को बाबू शवि प्रसाद गुप्त द्वारा भदौनी, वाराणसी में की गई थी। गांधीजी ने इसकी आधारशलि रखी थी। शीघ्र ही काशी वदियापीठ हनिदी माध्यम से राष्ट्रीय शकिषा का केंद्र बन गया।
- जुलाई 1963 में इसे वशिवदियालय अनुदान आयोग द्वारा मानद वशिवदियालय घोषति कथि गया। 15 जनवरी, 1975 से इसे चार्टर्ड वशिवदियालय का दर्जा दे दथि गया।
- महात्मा गांधी काशी वदियापीठ के पूर्व छात्रों में शामिल हैं-
 - चंद्रशेखर आजाद, भारतीय स्वतंत्रता सेनानी
 - लाल बहादुर शास्त्री, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री
 - रामकृषण हेगड़े, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री
 - बी.वी. केसकर, भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री
 - कलराज मशिर, राजस्थान के पूर्व राज्यपाल
 - भोला पासवान शास्त्री, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री
 - त्रिभुवन नारायण सहि, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री
 - कमलापति त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री



LL

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/for-the-first-time-in-the-history-of-kashi-vidyapeeth-the-president-will-be-the-chief-guest>